University in News on 03 October 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल...

संवाद न्यूज एजेंसी

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर सोमवार को लविवि में कार्यक्रम आयोजित हुआ। -संवाद

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दी। विद्यार्थियों ने ओपन थिएटर प्रस्तुति दी। शुरू किए गए सांस्कृतिकीय ऑर्केस्ट्रा बैंड ने सावरमती के संत तूने कर दिया कमाल... जैसे देशभक्ति के गीतों पर प्रस्ततियां दी। गांधी प्रतिमा पर फूल अर्पित करने के बाद कुलपति पदयात्रा करते हुए लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास पहुंचे और शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए ।

खुनखुन जी गर्ल्स कॉलेज में प्राचार्या डॉ. अंशु केडिया ने राष्ट्रपिता व शास्त्रीजी को नमन किया। मौके पर हुई निबंध प्रतियोगिता में 25 छात्राओं ने हिस्सा लिया। अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज में प्राचार्य डॉ. सुभाष चन्द्र पाण्डेय ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यापर्ण किया। विद्यार्थियों ने सांस्कतिक प्रस्तुतियां दीं। नेहरू युवा केन्द्र के जिला युवा अधिकारी विकास सिंह व शिक्षक उपस्थित रहे।

NBT PAGE 6

ब्लॉकचेन से सुरक्षित होगा LU का डेटा

पहले चरण में मार्कशीट और डिग्री देने में होगा तकनीक का इस्तेमाल

■ एनबीटी सं, लखनऊ : विद्यार्थियों की मार्कशीट और डिग्री के साथ विभागों और शिक्षकों से जुड़े जरूरी दस्तावेज का डेटा सुरक्षित रखने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी ने ब्लॉकचेन टेक्नॉलजी के इस्तेमाल करने का फैसला किया है। पहले चरण में स्टूडेंट्स को मार्कशीट और डिग्री भेजने में इसका इस्तेमाल होगा। इसके बाद आगे की जरूरतों के हिसाब से ब्लॉकचेन के जरिए डेटा मैनेजमेंट किया जाएगा।

एलयू के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, एलयू में डेटा सुरक्षित रखने के लिए ब्लॉकचेन टेक्नॉलजी का इस्तेमाल शुरू करने पर मंथन चल रहा है। इसके लिए टेक्निकल टीम तैयार की जा रही है। इसके साथ एलयू अपना सर्वर भी बना रहा है। इस सर्वर का डेटा तीन चरणों में सुरक्षित किया जाएगा। फिजिकल सर्वर के साथ मिरर सर्वर होगा। मिरर सर्वर में पूरा डेटा कॉपी होगा। इसके अलावा क्लॉड पर भी डेटा सुरक्षित रखा जाएगा। डेटा का मिलान भी तीनों चरणों में होगा ताकि कोई सर्वर में सेंध भी लगा ले तो क्रॉसचेक किया जा सके। ब्लॉकचेन की कल्पना सबसे पहले साल 1991 में की गई थी। यह एक डेटा बेस है जिसमें डेटा अलग-अलग ब्लॉक में स्टोर किया जाता है, जो एक चेन में एक साथ जुड़े होते हैं।

NBT Lens समझिए खबरों के अंदर की बात

क्यों है अपने सर्वर की ज़रूरत?

कई प्रमुख शिक्षण संस्थानों में अपना सर्वर न होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ा। परीक्षा, मार्कशीट और डिग्री का डेटा उन एजेंसियों के पास रहता है जो शिक्षण संस्थानों के लिए काम करती हैं। जब ऐसी एजेंसियों से काम वापस लिया जाता है तो वे अपनी मनमर्जी से डेटा मुहैया करवाती हैं। इससे परीक्षा, मार्कशीट, डिग्री समेत सभी जरूरी कामों में देरी होती है। अपना सर्वर होने की स्थिति में पूरा डेटा एलयू के पास रहेगा। डेटा में छेड़छाड़ की आशंका भी न के बराबर होगी। यही वजह है कि एलयू इस टेक्नॉलजी पर भी फोकस कर रहा है।

■ एलयू के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. शमा महमूद के नेतृत्व में शिक्षकों और स्टूडेंट्स ने महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

■ एलयू में वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने स्टूडेंट्स और शिक्षकों के साथ मिलकर दोनों महापुरुषों को पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर सांस्कृतिकी की निदेशिका प्रो.मधुरिमा लाल के निर्देशन में स्टूडेंट्स ने अहिंसा परमो धर्मः विषय पर रंगारंग ओपन थिएटर प्रस्तुति दी गई तो सांस्कृतिकी ऑर्केस्ट्रा बैंड ने 'साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल' जैसे एक से बढ़कर एक देशभक्ति के गीत गाए। वीसी ने शास्त्री की प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित किए।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू और विधि विवि में किया नमन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने गांधी जयंती, शास्त्री जयंती पर श्रद्धांजलि दी। छात्र-छात्राओं ने प्रो. मधुरिमा लाल निर्देशित अहिंसा परमों धर्मः नाटक प्रस्तुत किया। सांस्कृतिकी ऑर्केस्ट्रा बैंड का शुभारंभ हुआ। टैगोर वाटिका में नमक आंदोलन के नाट्य रूपांतर ने सभी को मुग्ध कर दिया।

कुलपति ने गांधीजी की मूर्ति पर श्रद्धांजलि अर्पित कर एलबीएस छात्रावास तक पदयात्रा की। यहां शास्त्रीजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। समाज कार्य विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप भारतीय ने गांधीजी के तीन बंदरों के प्रतीक के रूप में आम के तीन पौधे, शास्त्रीजी की स्मृति में मालती के पौधे लगाए। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ में स्वच्छांजलि कार्यक्रम हुआ। यहां प्रो बोनो क्लब अध्यक्ष प्रो. मनीष सिंह, डॉ. विकास भाटी, संयुक्त रजिस्ट्रार संजय दिवाकर, उद्देश्य कुमार ने सफाईकर्मियों को सम्मानित किया।

भारत को मजबूत बनाने में बापू का अहम योगदान

लखनऊ। बीबीएयू में कुलपति प्रो. संजय सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चला। कुलपति ने कहा कि महात्मा गांधी ने हमेशा अहिंसा का पाठ पढ़ाते हुए देश को प्रगति की राह दिखाई थी। शास्त्री की सादगी की मिसाल विदेशों में भी जाती थी। भारत को समृद्ध बनाने में बापू-शास्त्रीजी के योगदान अहम है।

गुमानी के बच्चों ने बापू की जयंती पर काटा केक

नगराम। नगराम के गुमानी खेड़ा प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्रीजी की जयंती केक काटकर मनाया। जन्मदिवस पर प्रधानाध्यापक अनिल वर्मा, सहायक अध्यापिका वंदना, सहित अनुपम पटेल, अतुल भारद्वाज, संदीप शर्मा आदि थे।

कॉलेजों ने निकाली प्रभात फेरी: खुनखुनजी महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ. अंशु केडिया ने गांधीजी, शास्त्रीजी पर माल्यार्पण किया। राजनीति शास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास की निबंध प्रतियोगिता में तान्या प्रथम रहीं।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

महात्मा गांधी के अहिंसा परमो धर्मः पर दी रंगारंग प्रस्तुति

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने गांधी एवं शास्त्री जयंती के

लविवि में गांधी व शास्त्री को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

अवसर पर पूरे विवि परिवार के साथ दोनों महानुभूतियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सांस्कृतिकी की निदेशिका प्रो.मधुरिमा लाल के निर्देशन में विवि के छात्र-छात्राओं ने महात्मा गांधी के अहिंसा परमों धर्मः विषय पर रंगारंग ओपन थिएटर प्रस्तुति दी और सांस्कृतिकी ऑर्केस्ट्रा बैंड का भी शुभारंभ किया गया। जिसने पाश्चात्य ऑर्केस्ट्रा पर देशभक्ति के गीतों से सारा परिसर गूंजायमान कर दिया।

टैगोर वाटिका में खुले आकाश के नीचे गांधी जी की स्वतंत्रता लड़ाई में नमक आंदोलन का सजीव नाट्य रूपांतर ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वैष्णव जन तो तेने कहिए जे, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल, वन्दे मातरम् आदि कई देशभक्ति गीतों ने सभी में देशभक्ति के भावो का सृजन कर दिया। कार्यक्रम में गांधी के तीन बंदरों के रूप में छात्रों ने प्रस्तुति के माध्यम से बुरा मत सुनो, बुरा मत देखो और बुरा मत बोलो का सजीवात्मक संदेश दिया, जिसने सभी का मन मोह लिया। गांधी जी की मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय पदयात्रा करते लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास पहुँचे, जहां उन्होंने समस्त शिक्षकों एवं छात्रावास सदस्यों के साथ शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान कुलपति की इच्छानुसार वहां उपस्थित सभी को गांधी जी के जीवन पर आधारित पुस्तक भी भेंट की गई। इस अवसर पर सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशकों और भारी संख्या में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के अलावा कुलसचिव, एग्जाम कंट्रोलर, सभी प्रोवोस्ट और अकादमिक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

वृक्ष ही हैं महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी : प्रो. भारतीय

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। वृक्ष महात्मा गाँधी के सच्चे अनुयायी हैं, क्योंकि हम उनके विरुद्ध जितनी भी हिंसा करते हैं, लेकिन वे पलटकर हमें कुछ नहीं कहते बल्कि हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं। यही काम महात्मा गाँधी ने किया और वह अहिंसा के पुजारी थे।उक्त विचार गाँधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष और पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो.अनूप कुमार भारतीय ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गाँधी और लाल बहादुर शास्त्री दोनों की दृढ़प्रतिज्ञता वटवृक्ष जैसी थी। देश के विकास के लिए हमें इनके जैसा बनना होगा। दोनों आज़ादी के सच्चे सिपाही होने के साथ भारत के सच्चे नागरिक भी थे। इस दौरान लविवि में वृक्षारोपण करते हुए उन्होंने कहा कि आज का वृक्षारोपण हमें सदा गाँधी व शास्त्री के आदर्शों पर चलने पर प्रेरित करता रहेगा। उक्त अवसर पर गांधी जी के तीन बंदरों के प्रतीक के रूप में आम के तीन वृक्ष तथा शास्त्री की स्मृति में मालती के पेड़ों को लगाया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विभाग के शिक्षकों के अलावा कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहे।

i-NEXT PAGE 6

● **लखनऊ यूनिवर्सिटी**

एलयू में सांस्कृतिकी की निदेशिका प्रो. मधुरिमा लाल के निर्देशन में विवि के छात्र-छात्राओं ने गांधी जी के अहिंसा परमो धर्मः विषय पर रंगारंग ओपन थिएटर प्रस्तुत दी. टैगोर वाटिका में गांधी जी की स्वतंत्रता लड़ाई में नमक आंदोलन का सजीव नाट्य रूपांतर ने सभी को मुग्ध कर दिया. कार्यक्रम में एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री की मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए.

PIONEER PAGE 3

विवि में कुलपति व शिक्षकों ने दी दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर सोमवार को पूरे विश्वविद्यालय परिवार के साथ दोनों महानुभूतियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सांस्कृतिकी की निदेशिका प्रो मधुरिमा लाल के निर्देशन में विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने गांधी जी के अहिंसा परमों धर्मः विषय पर रंगारंग ओपन थिएटर प्रस्तुति दी और सांस्कृतिकी ऑर्केस्ट्रा बैंड का भी शुभारंभ किया गया। जिसने पाश्चात्य ऑर्केस्ट्रा पर देशभक्ति के गीतों से सारा परिसर गुंजायमान कर दिया। टैगोर वाटिका में खुले आकाश के नीचे गांधी जी की स्वतंत्रता लड़ाई में नमक आंदोलन का सजीव नाट्य रूपांतर ने सभी को मुग्ध कर दिया। वैष्णव जन तो तेने कहिए जे, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल, वन्दे मातरम् आदि कई देशभक्ति गीतों ने सभी में देशभक्ति के भावो की सृजन कीं। कार्यक्रम में गांधी जी के तीन बंदरों ने बुरा मत सुनो, बुरा मत देखो और बुरा मत बोलो का सजीवात्मक संदेश दिया जिसने सभी का मन मोह लिया। गांधी जी की मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात कुलपति प्रो. राय पदयात्रा करते लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास पहुंचे, जहां उन्होंने समस्त शिक्षकों एवं छात्रावास सदस्यों के साथ शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान कुलपति की इच्छानुसार वहां उपस्थित सभी को गांधी जी के जीवन पर आधारित पुस्तक भी भेट की गई।

नेपाल में खुल सकता है लवि का शैक्षिक केंद्र

लवि के कुलपति ने नेपाल भ्रमण के दौरान **दिया प्रस्ताव** आगे की प्रक्रिया पर होगा मंथन

जासं, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय नेपाल में अपना शैक्षिक केंद्र खोल सकता है। बीते दिनों पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के शैक्षिक एवं शोध परितंत्र का अध्ययन करने गए लवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ वहां के सांसद रमेश लेखक और भारतीय दूतावास को इस संबंध में चर्चा कर प्रस्ताव दिया है। इस पर विचार-विमर्श कर आगे की प्रक्रिया होगी।

लवि में डायरेक्टर इंटरनेशनल सेल प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नेपाल के शैक्षिक और शोध परितंत्र का अध्ययन किया। विचार किया गया है कि वहां लवि का एक शैक्षिक केंद्र खोला जाए। कुलपति ने इसका प्रस्ताव भी दिया है। इसके अलावा शैक्षिक उच्च शिक्षण संस्थानों का भ्रमण करने के साथ ही वहां के उद्योगों और अर्थव्यवस्था का भी अध्ययन किया गया।

लवि आयोजित करेगा वर्कशाप : प्रोफेसर आरपी सिंह ने बताया कि नेपाल के कई उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ समझौता हुआ है। प्रतिनिधिमंडल ने भ्रमण और बातचीत के बाद शिक्षा के सामाजिक सरोकारों और उसे उद्यमिता के साथ जोड़ने की आवश्यकता बताई। लवि ने वहां के संस्थानों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि शिक्षा के उभरते आयामों पर शार्ट टर्म कोर्स आयोजित करेगा। इसके अलावा लवि दो महीने के अंदर पांच वर्कशाप आयोजित की जाएंगी। भाषा और संस्कृति के माध्यम से दो पक्षीय सांस्कृतिक संबंधों पर चर्चा कर उसे विस्तार दिया जाएगा। इसमें नेपाल के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करेंगे।

इन देशों से भी आया निमंत्रण : उन्होंने बताया कि पोलैंड, रूस, स्पेन, इंडोनेशिया, थाईलैंड सहित विभिन्न देशों ने भी लवि को शैक्षिक संवादों के लिए आमंत्रित किया है।

एम.एस.डब्ल्यू. में प्रवेश की काउंसिलिंग आज

जासं, लखनऊ: डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने एम.एस.डब्ल्यू. पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए रविवार को संशोधित दूसरी प्रतीक्षा सूची जारी कर दी। अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग सोमवार को ए-2 ब्लाक के कमरा नंबर 341 में होगी। प्रवेश प्रभारी डा. अर्चना सिंह ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

विज्ञान के विभागों में बनेगा रिसर्च स्कालर्स फोरम, प्रक्रिया शुरू

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विभागों में अब शोध से जुड़े हर पहलुओं और परेशानियों पर चर्चा व समाधान के लिए स्कालर्स फोरम बनेगा। विज्ञान संकाय अध्यक्ष की पहल पर इसकी शुरुआत जंतु विज्ञान विभाग से करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस फोरम में सभी शोधार्थियों को जोड़ने के लिए एक वाट्सअप ग्रुप बनाया जाएगा। हर शनिवार को दोपहर दो से शाम पांच बजे तक विभाग के शोधार्थी विभागाध्यक्ष के साथ शोध कार्यों एवं उनमें आने वाली समस्याओं आदि पर बातचीत करेंगे।

विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर विभूति राय ने बताया कि जंतु विज्ञान विभाग में करीब 80 शोधार्थी प्रयोगशालाओं में शोध कर रहे हैं।, लेकिन उनके बीच आपस में सामंजस्य नहीं है। इसको देखते हुए हाल ही में हुई बैठक में यह तय किया गया है कि हर विभाग में एक रिसर्च स्कालर्स फोरम बनाया जाए। जंतु विज्ञान विभाग से इसकी शुरुआत की जा रही है। चार सदस्यीय कमेटी भी बना दी गई है।

शोध कार्य के बारे में पता चलेगा : इस फोरम में प्रत्येक शनिवार को दोपहर तीन से पांच बजे शोधार्थियों से संवाद कर उनके विभिन्न शोध से जुड़े पहलुओं और परेशानियों पर चर्चा की जाएगी। शोध को आगे बढ़ाने और अच्छे पब्लिकेशन के माध्यम से विश्वविद्यालय के एनआइआरएफ रैंकिंग व अन्य पहलुओं पर खरा उतरने के लिए प्रेरित किया जाएगा। शोधार्थियों को अपने शोध कार्यों की प्रगति, उसमें आने वाली समस्या भी बतानी होगी।

एक अंक विवाद में अभ्यर्थियों का आंदोलन जारी : परिषदीय विद्यालयों की 69 हजार शिक्षक भर्ती परीक्षा में एक अंक के विवाद में फंसे अभ्यर्थियों का धरना जारी है। 56 दिन से वह लगातार आलमबाग स्थित ईको गार्डन में धरना दे रहे हैं। सोमवार को गांधी जयंती पर उन्होंने श्रमदान करके गांधी को याद किया गया। प्रदेश सरकार से न्याय के लिए गुहार लगाई।

JAGRAN CITY PAGE III

छह को 112 साल पूरे करेगा कला एवं शिल्प महाविद्यालय

● छह, सात व आठ अक्टूबर को 112 वें स्थापना दिवस के अवसर पर होंगे कई कार्यक्रम

जासं, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कला एवं शिल्प महाविद्यालय (आर्ट्स कालेज) अपनी ऐतिहासिक यात्रा का 112वां वर्ष छह अक्टूबर को पूरा करेगा। छह अक्टूबर 1911 को आर्ट्स कालेज की स्थापना हुई थी। 112 साल पहले पांच डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स और कुछ विद्यार्थियों के साथ शुरू हुए इस कालेज से नवल किशोर रस्तोगी, मनीषा दोहरे, प्रणींद्र नाथ चतुर्वेदी सहित बहुत से छात्र-छात्राएं मान बढ़ा रहे हैं। इस बार कालेज प्रशासन छह से आठ अक्टूबर तक अपना स्थापना दिवस समारोह मनाएगा, जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

कालेज के प्राचार्य एवं डीन डा. रतन कुमार बताते हैं कि ब्रिटिश सत्ता के आगमन से ऐतिहासिक उथल-पुथल के परिणामस्वरूप 19वीं शताब्दी के मध्य कला एवं औद्योगिक कारीगरी के स्तर में काफी कमी आ गई थी। इसी कमी का अनुभव करते हुए वर्ष 1907 में हुई औद्योगिक कांफ्रेंस में प्रदेश में एक कला एवं शिल्प महाविद्यालय खोलने पर विचार किया गया। कांफ्रेंस की सिफारिश के चार साल बाद छह अक्टूबर 1911 में राजकीय कला एवं शिल्प महाविद्यालय की स्थापना की गई। पहले प्राचार्य के रूप में नैथेनियल हर्ड की तैनाती हुई थी। कालेज में छह, सात व आठ अक्टूबर को स्थापना दिवस मनाया जाएगा। प्राचार्य ने बताया कि इसमें छात्र-छात्राओं की कला प्रदर्शनी, रंगोली प्रतियोगिता, वाल प्रतियोगिता एवं पेंटिंग प्रतियोगिता सहित कई देश के वरिष्ठ कलाकारों एवं छात्रों का व्याख्यान व सेमिनार भी होगा। सेमिनार में टेक्नो इंस्टीट्यूट, गोयल इंस्टीट्यूट एवं एसकेडी के विद्यार्थी भी शामिल होंगे।

कला एवं शिल्प महाविद्यालय (आर्ट्स कालेज) की फोटो ● सौजन्य से प्राचार्य

इन कोर्सों से हुई थी शुरुआत

स्थापना के समय डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्सों जैसे होम आर्ट्स एवं होम क्राफ्टस, आयरन एंड हैवी मेटल वर्क, वुड वर्क कैबिनेट मेकिंग एंड कार्विंग, फर्नीचर डिजाइन, आर्ट मास्टर ट्रेनिंग, क्ले माडलिंग के साथ हुई। वर्तमान में बी.वी.ए. पेंटिंग, एप्लाइड आर्ट, स्कल्पचर, टेक्सटाइल डिजाइन, एम.वी.ए. पेंटिंग, एम.वी.ए. स्कल्पचर पाठ्यक्रम व पीएचडी कोर्सों में 500 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

नगर की महत्वपूर्ण खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें